Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 9

हिन्दी

कृतिका (गद्य खंड)

अध्याय-1 : इस जल प्रलय में (फणीश्वरनाथ रेणु)

भाग - 9

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

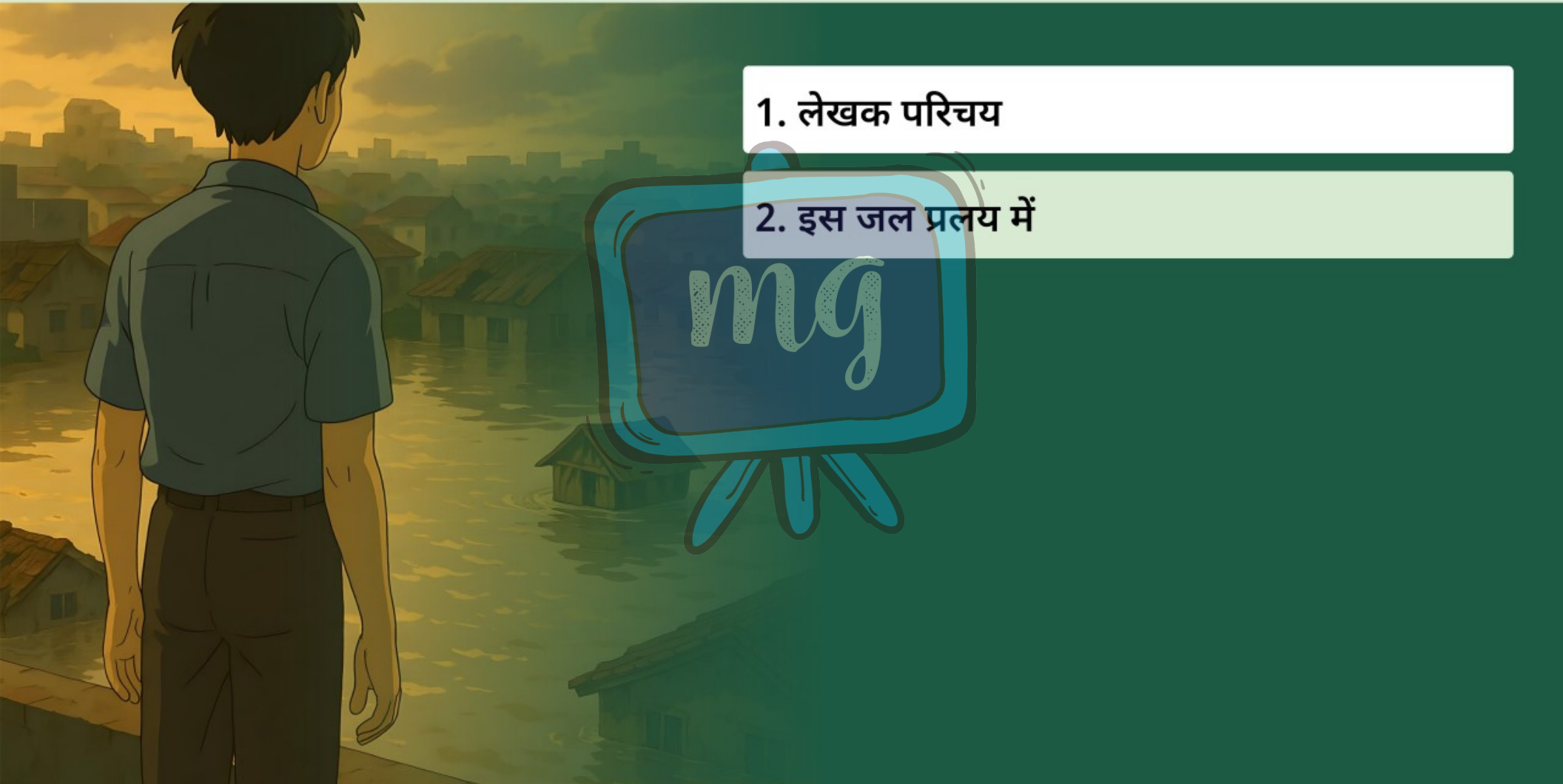

1. लेखक परिचय
2. इस जल प्रलय में

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



'ओई द्याखो-एसे गेछे जल!'-झकझोरकर मुझे जगाया गया। घड़ी देखी, ठीक साढ़े पाँच बज रहे थे। सवेरा हो चुका था... आ रहलौ है! आ रहलौ है पनियां। पानी आ गेलौ। हो रामसिंगार! हो मोहन ! रामचन्नर अरे हो... आँखें मलता हुआ उठा। पच्छिम की ओर, थाना के सामने सड़क पर मोटी डोली की शक्ल में मुँह में झाग-फेन लिए-पानी आ रहा है; ठीक वैसा ही जैसा शाम को कॉफ़ी हाउस के पास देखा था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



पानी के साथ-साथ चलता हुआ, किलोल करता हुआ बच्चों का एक दल...

उधर पच्छिम-दक्षिण कोने पर दिनकर अतिथिशाला से और आगे बस्ती के पास बच्चे कूद क्यों रहे हैं? नहीं, बच्चे नहीं, पानी है। वहाँ मोड़ है, थोड़ा अवरोध है इसलिए पानी उछल रहा है... पच्छिम-उत्तर की ओर, ब्लॉक नंबर एक के पास पुलिस चौकी के पिछवाड़े में पानी का पहला रेला आया... ब्लॉक नंबर चार के नीचे सेठ की दुकान की बाएँ बाजू में लहरें नाचने लगीं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

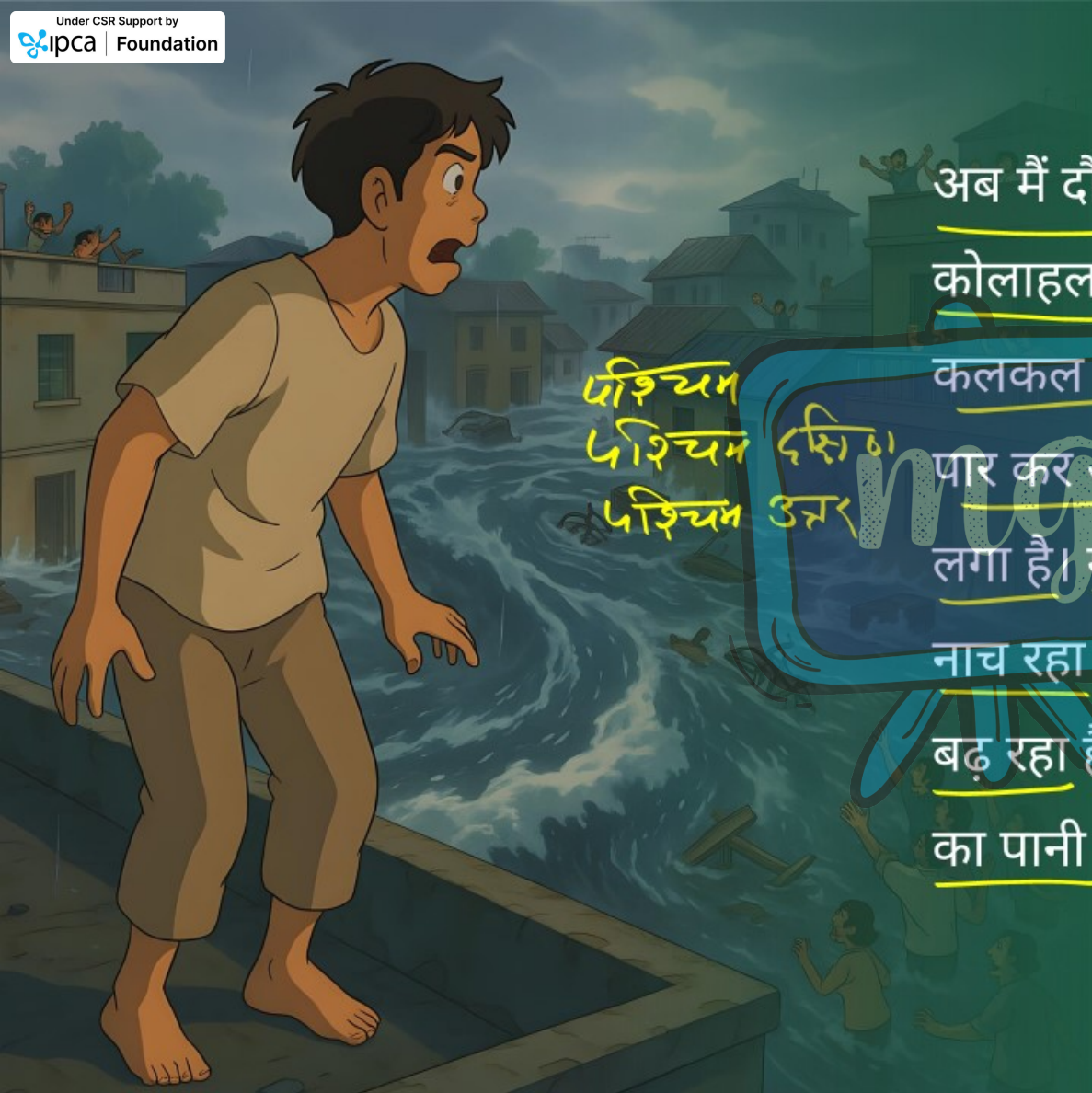

अब मैं दौड़कर छत पर चला गया। चारों ओर शोर-कोलाहल कलरव चीख-पुकार और पानी का कलकल रव। लहरों का नर्तन। सामने फुटपाथ को पार कर अब पानी हमारे पिछवाड़े में सशक्त बहने लगा है। गोलबर के गोल पार्क के चारों ओर पानी नाच रहा है... आ गया, आ गया! पानी बहुत तेजी से बढ़ रहा है, चढ़ रहा है, करेंट कितना तेज़ है? सोन का पानी है।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

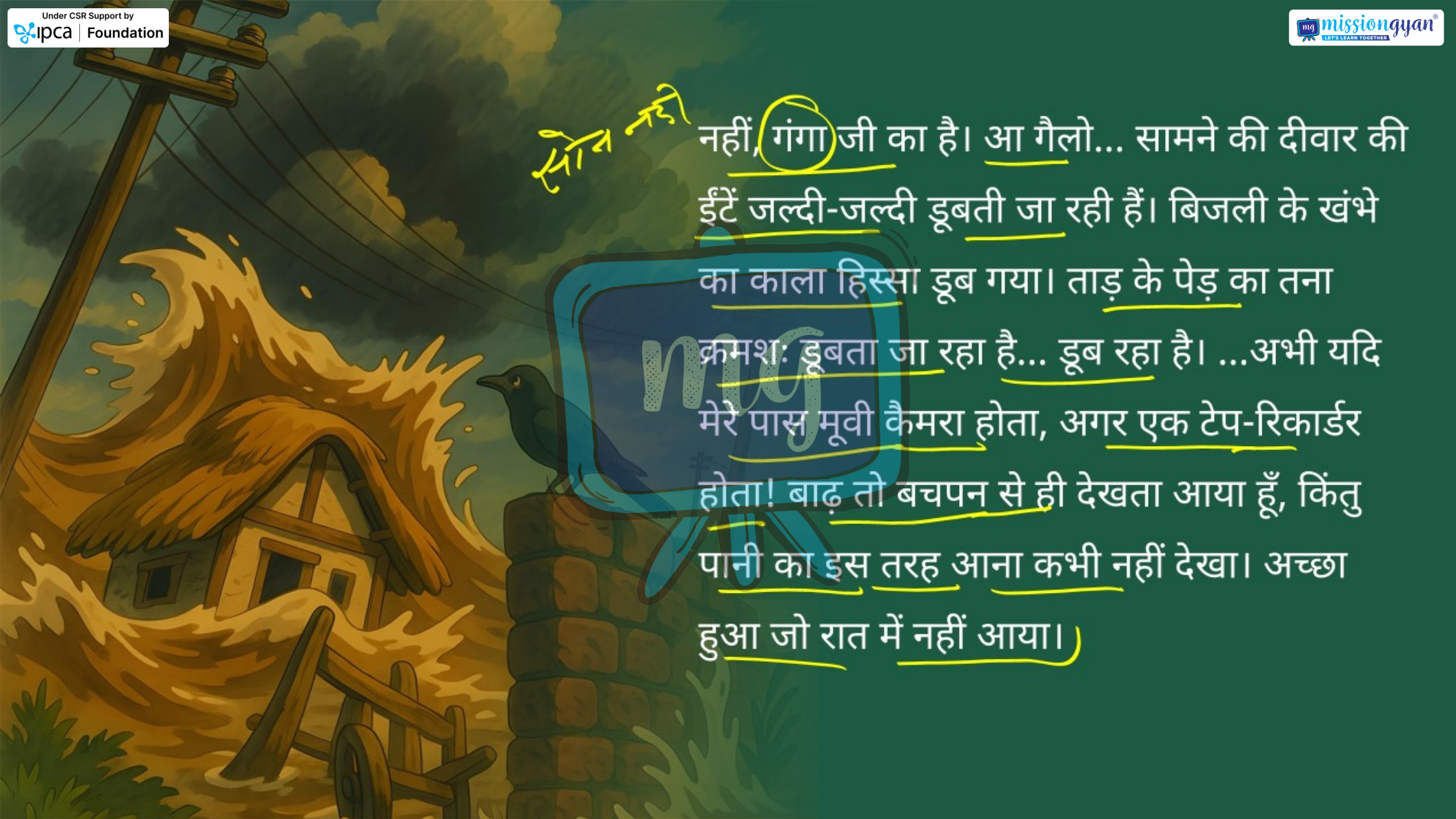

सोन नदी

नहीं, गंगा जी का है। आ गैलो... सामने की दीवार की ईंटें जल्दी-जल्दी डूबती जा रही हैं। बिजली के खंभे का काला हिस्सा डूब गया। ताड़ के पेड़ का तना क्रमशः डूबता जा रहा है... डूब रहा है। ...अभी यदि मेरे पास मूवी कैमरा होता, अगर एक टेप-रिकार्डर होता! बाढ़ तो बचपन से ही देखता आया हूँ, किंतु पानी का इस तरह आना कभी नहीं देखा। अच्छा हुआ जो रात में नहीं आया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

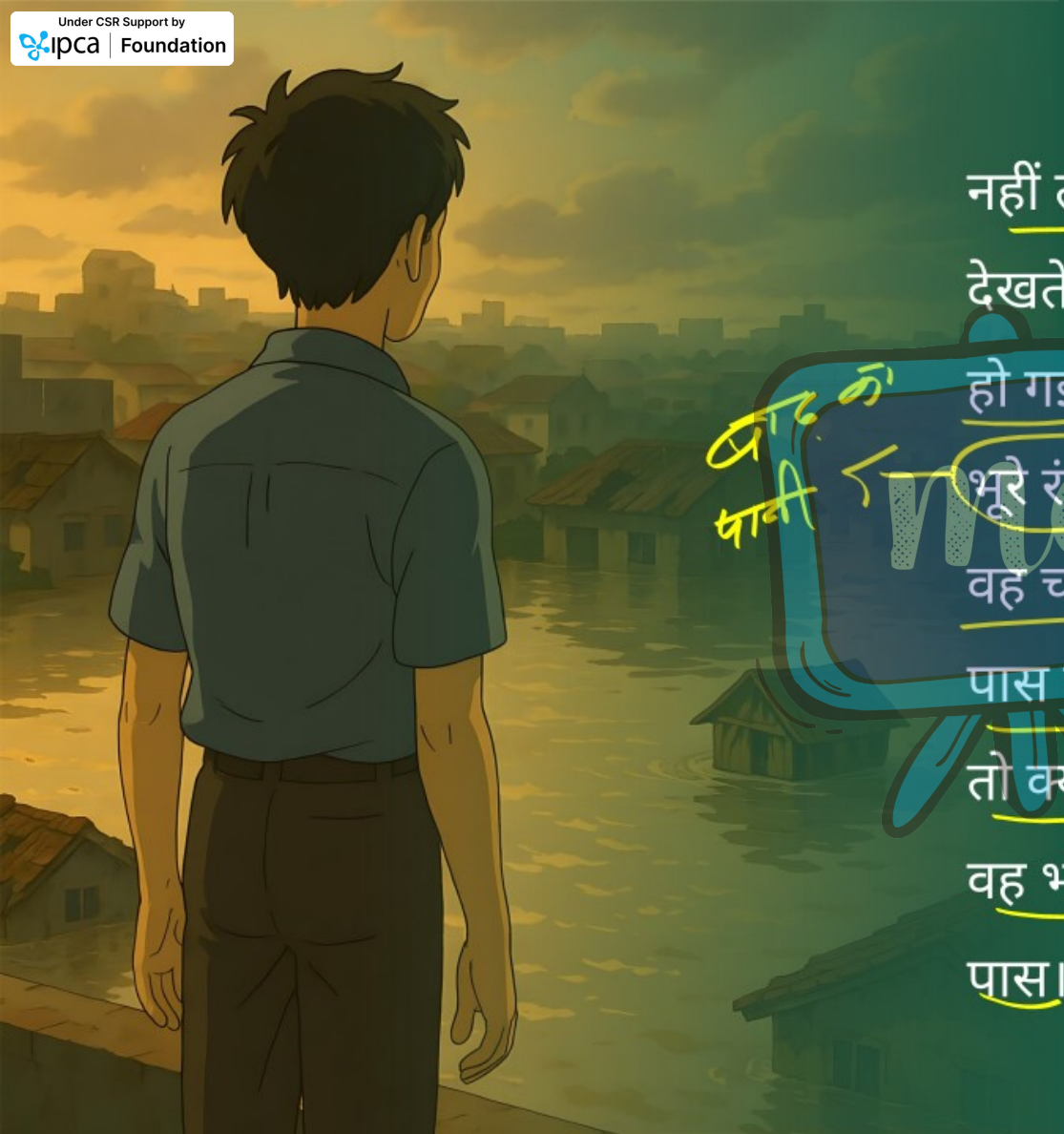

नहीं तो भय के मारे न जाने मेरा क्या हाल होता...

देखते ही देखते गोल पार्क डूब गया। हरियाली लोप हो गई। अब हमारे चारों ओर पानी नाच रहा था...

भूरे रंग के भेड़ों के झुंड। भेड़ दौड़ रहे हैं- भूरे भेड़, वह चायवाले की झोंपड़ी गई, चली गई। काश, मेरे पास एक मूवी कैमरा होता, एक टेप-रिकार्डर होता...

तो क्या होता? अच्छा है, कुछ भी नहीं। कलम थी, वह भी चोरी चली गई। अच्छा है, कुछ भी नहीं-मेरे पास।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





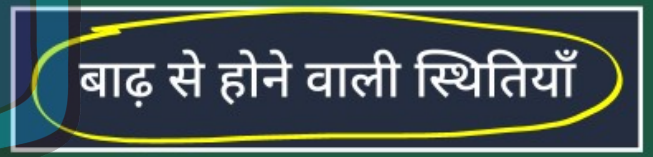

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 सुबह साढ़े पाँच बजे कौन-सी घटना हो रही थी?

अ बारिश हो रही थी

ब पानी का तेज़ बहाव शुरू हो गया था

स बिजली चली गई थी

द गाँव में मेला लगा था

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 पानी किस दिशा से लेखक के मोहल्ले में प्रवेश करता है?

पश्चिम दिशा।

पश्चिम उत्तर

अ पूर्व

ब पश्चिम

स दक्षिण-पश्चिम

द उत्तर-पूर्व

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3 लेखक ने पानी के प्रवाह को किस प्राकृतिक स्रोत से जोड़ने का प्रयास किया है?

अ गंगा और सोन नदी

ब समुद्र

स पहाड़

द नहर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4 लेखक किस चीज़ की कमी को विशेष रूप से महसूस करता है?

अ मोबाइल फोन

ब नाव

स मूवी कैमरा और टेप रिकॉर्डर

द उपरोक्त में से कोई नहीं

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5 अंत में लेखक किस चीज़ के चोरी होने की बात करता है?



अ कैमरा

ब कलम

स चाय

द ट्रांजिस्टर